Peace Keeping Movement
Trust (NGO) (Reg.No.714 (2020)
A Voluntary Association
Contributory& (Charity Organization)

Estab:2020

Address: RZ-3308/37,
Tughlakabad Extn
New Delhi-110019
Email:
pkmtrust2020@gmail.com

# शपथः Pledge

## पीस कीपिंग मुवमैंट

पीस कीपिंग मुवमैंट (PKM)"

बिसमिलाहिर्रह़मानिर्रह़ीम

अस्सलामु अ़लैयकुम

"पीस कीपिंग मुवमैंट" की मुख्य धारा में वूलिन्टियर □volunteer□ की ह़ैसियत से जुड्ने के लिए "पीस कीपिंग मुवमैंट" की ओर से निम्न लिखित बातों पर शपथ ग्रहण करनी होगी।

मैं "पीस कीपिंग मुवमैंट" को वूलिन्टियर की ह़ैसियत के तौर पर जोएन □join□ के लिए "पीस कीपिंग मुवमैंट" की तरफ़ से निम्नलिखित बातों पर प्रण लेता हूँ किः

पार्ट अः

1ः मैं हर अमर में अल्लाह तआ़ला का मूख़्लिस □वफ़ादार□ बन कर रहूँगा।

2ः मैं तमाम इनसानियत के लिए मुख़्लिस बन कर रहूँगा।

3ः मैं पीस कीपिंग मुवमैंट के प्रति मुख़्लिस बन कर रहूँगा।

4ः मैं पीस कीपिंग मुवमैंट के तमाम वूलिन्टियर □volunteers□ के प्रति मुख़्लिस बन कर रहूँगा।

1ः मैं अल्लाह वाह़िद पर उसकी ज़ात व सिफ़ात□और जैसा कि वह अपनी ज़ात व सिफ़ात□और वह अपने नामों के साथ है□ईमान लाता

हूँ।इन सब उमूर पर ज़बान से इक़रार और दिल से तसददीक़ करता हूँ।

2ः मैं सभी फ़रिशतों पर□सभी आसमानी किताबों पर□सभी रसूलों पर□ और नबयों पर□और आख़िरी दिन क़ियामत पर□और अच्छी बुरी तक़दीर पर□और क़ियामत के दिन दोबारह ज़िन्दह किए जाने पर□ और क़ियामत के दिन ह़िसाब किए जाने पर□झन्नत और जहन्नम के वुजूद पर□और ह़िसाब के बाद झन्नत और जहन्नम में जाने पर□और वहाँ की नेमतों और अ़ज़ाब पर□ईमान लाता हूँ। और दिल से यक़ीन करता हूँ।

3ः मैं सिर्फ़ एक अल्लाह वाह़िद की ख़ालिस करके इबादत करूँगा□ उसके साथ कभी भी□किसी भी शैय को□किसी भी शख़्सियत को□ किसी भी ह़ैसियत से□शरीक नहीं करूँगा।

4ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसततााअ़त के साथ अरकाने इसलाम पर अ़मल करूँगा।

5ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसततााअ़त के साथ अल्लाह की नाफ़रमानियों से बचूँगा।

6ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसततााअ़त के साथ कबीरह गुनाहों से बचूँगा और तक़वह इख़्तियार करूँगा।

7ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसततााअ़त के साथ जहाँ जहाँ मुमकिन और संभव हो सकेगा□पूरे दीन इसलाम पर चलूँगा।

8ः मैं अल्लाह की मुह़ब्बत के मुक़ाबिलें में किसी भी शैय की मुह़ब्बत को तरजीह़ नहीं दूँगा।

पार्ट सीः

1ः मैं ह़ज़रत मुह़म्मद□स□पर आख़िरी और रसूल और आख़िरी नबी की ह़ैसियत से ईमान भी लाता हूँ□और गवाही भी देता हूँ कि आप □स□अल्लाह के सच्चे रसूल□नबी और उसके बन्दे हैं।

2ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसतताअ़त के साथ जहॉ जहॉ मुमकिन और संभव हो सकेगा□आप □स□ की पैरवी करूॅगा। और आप □स□की सुन्नतों पर अ़मल करूॅगा।

3ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसतताअ़त के साथ जहॉ जहॉ मुमकिन और संभव हो सकेगा□आप □स□ से मुह़ब्बत करूॅगा।

पार्ट डीः

1ः मैं कुरान पर ईमान लाता हूॅ कि यह कुरान अल्लाह की तरफ़ से ह़ज़रत मुह़म्मद□स□ पर नाज़िल की हुई आख़िरी और मुकम्मल और सच्ची किताब है।

2ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसतताअ़त के साथ क़रान पर अ़मल करूॅगा।

3ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसतताअ़त के साथ इसकी तिलावत करूॅगा।

4ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसतताअ़त के साथ कुरान की तालीमात पर अ़मल करूॅगा।

5ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतअ़दाद और इसतताअ़त के साथ जैसे जैसे मुमकिन और संबव हो सकेगा कुरान की सच्ची तालीमात की इशाअ़त करूॅगा।

पार्ट ईः

1ः मैं ईमान लाता हूॅ □और दिल से यक़ीन करता हूॅ कि दीन इसलाम अल्लह की तरफ से एक सच्चा□मुकम्मल और आख़िरी दीन है।

2ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतैदाद और इसतताअ़त के साथ जैसे जैसे मुमकिन हो सकेगा□दीन इसलाम में पूरा पूरा दाख़िल हो जाऊंगा।और अपनी पूरी इसतैदाद और इसतताअ़त के साथ जैसे जैसे मुमकिन हो सकेगा□दीन इसलाम की तालीमात पर अ़मल करूॅगा।

पार्ट एफ़ः

1ः मैं ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतैदाद और इसतताअ़त के साथ जैसे जैसे मुमकिन हो सकेगा□ दीन इसलाम दुनिया की तमाम इनसानियत में मारूफ़ात □भलाइयों□ की तालीमात फैलाऊंगा□ और मुनकिरात □बुराइयों□को रोकने की कोशिश करूंगा।

मैं कभी भी किसी क़िसम की टैरोरिस्ट □terrorist□□आतंक वादी या इन्तहा पसंदी एक्टिविटीज़ □activities□ में ना तो खुद शामिल रहूंगा□ ना ही इनको कोई तआ़वुन दूंगा□इनकी किसी के कोई तालीम दूंगा□ और ना किसी को भड्काऊंगा।

3ः मैं कभी भी किसी क़िसम की अलगाव वाद एक्टिविटीज़ □activities□ में ना तो खुद शामिल रहूंगा□ना ही इनको कोई तआ़वुन दूंगा□ना इनकी किसी के कोई तालीम दूंगा□और ना किसी को भड्काऊंगा।

4ः मैं अपने वतन भारत देश से मुह़ब्बत रखूंगा□और इसके प्रति श्रध्धा रखूंगा□इसके विकास में और तरक़्की में ह़त्तुल इमकान अपनी पूरी इसतैदाद और इसतताअ़त के साथ तआ़वुन □मदद□दूंगा।

5ः मैं कभी भी किसी क़िसम की ऐन्टिनेशनल एक्टिविटीज़ □anti-national activities□ में ना तो खुद शामिल रहूंगा□ना ही इनको कोई तआ़वुन दूंगा□ना ही इनकी किसी के कोई तालीम दूंगा□और ना ही किसी को भड्काऊंगा।

6ः मैं भारत के संविधान □Indian Constitution□ के प्रति वफ़ादार रहूंगा□और संविधान का पालन करूंगा। अल्बत्ता अगर मेरे दीन-इसलाम ईमान और एतक़ाद □faith□ के ख़िलाफ़ कोई अमर □issue□ होगा□तो मैं उस अमर issue□ में माज़ूर □unable□ रहूंगा। किसी के मजबूर या दबाव देने □pressurise□ करने पर अ़दालत में क़ानूनी कार्यवाई करूंगा।

पार्ट जीः

1ः मैं सभी धर्मों □religions□की इ़ज़्ज़त और एह़तराम करूंगा।

2ः मैं सभी धर्मों religions के पेश्वाओं दुर्वेशों धर्म गुओं नबियों रसूलों औतारों ऋषि मुनियों बजुर्गों का आदर और एह़तराम करूंगा।

3ः मैं कभी भी जुल्म offensive तशद्दुद और खुराफ़ात के कामों में शिर्कत नहीं करूंगा।

पार्ट ऐचः

1ः मैं "पिस कीपिंग मुवमैंट" के चारों मेजर पारामीटर्स Four major parameters चारों मुख्य मानकों पर अपनी पूरी इसतैदाद और इसतताअ़त के साथ के अनुसार अ़मल करूंगा।

2ः मैं "पीस कीपिंग मुवमैंट" के चारों मेजर उद्देश्यों Four major Objectives पर अपनी पूरी इसतैदाद और इसतताअ़त के साथ के अनुसार भाग लूँगा और उनमें तआ़वुन मदद दूँगा। और सभी लोगों को उन की तालीमात दूंगा। और इन उद्देश्यों के लिए वूलिन्टियर्स volunteers तैयार करूंगा।

पार्ट ईः

1ः मैं क़ानून को कभी अपने हाथों में नहीं लूंगा अल्बत्ता अगर मुझ पर कोई अटैक attack या अज़ेल्ट assault करेगा तो मैं अपनी आत्म रक्षा self defense करूंगा। और फिर अ़दालत में मुकदमा दायर करूंगा।

2ः अगर कोई मुझ पर कोई इल्ज़ाम आरोप allegation लगाए गा मसलन कोई मुझे टैरोरिस्ट या देश-द्रोही या विदेशी या पाकिसतानी कहैगा तो मैं उसके ख़िलाफ़ अ़दालत में केस मुकदमा दायर करूंगा।

3ः अगर "पिस कीपिंग मुवमैंट" के ख़िलाफ़ आवाज़ उठाएगा, या इसके कामों में रूकावटें डालेगा या झगडा करेगा तो मैं क़ानून का सहारा लूंगा। और अ़दालत में केस मुक़दमा लडूंगा।

4ः मैं "पिस कीपिंग मुवमैंट पी के एम)" की शूरा (Executive committee के द्वारा वक़्तन फ़वक्तन time to time बनाए

गए ज़ाबते और उसूल □bye-laws□ पर दिलो जान से अ़मल करूंगा।

5ः मैं कभी भी कोई ऐसे इक़दाम नहीं उठाऊँगा□या ऐसे कोई काम नहीं करूँगा, जिन से "पीस कीपिंग मुवमैंट □पी के एम)" को कोई नुक़सान पहुँचता हो। या इस में कोई तोड़ पैदा हो□या इस में कोई इख़्तिलाफ पैदा हो□या साथियों में□मुख़लिसीन □□volunteers□ में इख़्तिलाफ़ या तोड़ पैदा हो□ या साथियों में□ मुख़लिसीन □□volunteers□ में इख़्तिलाफ़ात या सियासी दाव पेंच का माहौल पैदा हो।

6ः मैं इक़रार करता हूँ कि इन्सानियत और मुसलिम समाज की तरक़्क़ी और डवलपमैंट □development□ के लिए रोजानह एक रूपया या 30 रूपये महीनह या जितना ज़ियादह मुझ से हो सके□पी के एम को अदा□pay□ करता तहूँगा□और बैन्क मैन्डेट□mandatae□ के ज़रिए पी के एम के ख़ाते में जमा करता रहूँगा।

7ः मैं लागों को पी के एम में डोनेशन जमा करने की तरग़ीब भी देता रहूँगा।

8ः आख़िर में मैं अहद करता हूँ किः मैं यह सारे काम सिर्फ़ और सिर्फ़ अल्लाह की खुशनूदी ह़ासिल करने के के लिए□और आख़िरत की कामायाबी के लिए और पीस कीपिंग मुवमैंट □पी के एम□के नफ़े के लिए करूँगा।

फ़क़तः वस्सलाम

प्रेफ़सर □डाक्टर□बहार अह़मद

सी ई ओः कन्वीनरः पीस कीपिंग मुवमैंट □पी के एम□

नामः □यहां हर वूलिन्टियर अपना नाम दे या बाले□

अगस्त 4□2019 ई।